सैनिक प्रक्षेत्र, पिंपरी में ध्वजारोहण समारोह

2134. **श्री एस० एम० जोशी** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सैनिक प्रक्षेत्र पिम्परी में डी० डी० एम० एफ० मुख्यालय, दक्षिण कमान, किर्की, ने 26 जनवरी, 1968 को राष्ट्रीय ध्वज फहराया था;

(ख) क्या यह सच है कि ध्जारोहण समारोह, जो निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार साढ़े आठ बजे प्रातः होने वाला था, साढ़े दस बजे प्रातः मनाया गया;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस समारोह के लिए तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नहीं बुलाया गया था; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि इस अवसर पर मिठाइयां बांटने के लिये कल्याण निधि से 450 रुपये खर्च किये गये थे और यदि हां, तो क्या ओ० आई० सी०, एम० एफ०, पिम्परी ने इस राशि को खर्च करने के लिये वर्क्स कमेटी की पूर्व अनुमति प्राप्त कर ली थी ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) पहले पहल 8.30 बजे प्रातः आयोजन के लिये शडूल किया गया समारोह 9.30 बजे कार्यान्वित हुआ।

(ग) डी० डी० एम० एफ० मुख्यालय दक्षिणी कमान को ऐसे ही मिलिट्री फार्म किर्की के समारोह में उस से पहले भाग लेना था। अफसर इंचार्ज मिलिट्री फार्म पिम्परी को एक दिन पहले ही, और 26–1–1968 को 9 बजे प्रातः टेलीफोन पर भी सूचित कर दिया गया था कि पिम्परी के समारोह में भाग लेने के लिये डी० डी० एम० एफ० के विलम्ब से पहुंचने की सम्भावना थी।

(घ) जी नहीं। सभी तृतीय और चतुर्थ श्रेणियों के कार्यचारिगण को निमन्त्रित किया गया था, और बहुतेरे सकुटुम्ब सहित वहां उपस्थित थे।

(ङ) कल्याण निधि से 350 रुपये की खर्च करने के लिए वर्क्स कमेटी द्वारा आरंभिक अनुमति के विरुद्ध वास्तविक खर्च था 492.37 रुपये, क्योंकि उपस्थित व्यक्तियों की संख्या अधिक थी। कमेटी ने अधिक खर्च की गई राशि के लिए कार्योतर स्वीकृति दे दी है।

RELEASE OF ASSETS OF INDIANS IN BURMA

2135. SHRI R. BARUA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any further progress has taken place in securing release of assets of Indians which were confiscated by the Burmese Government after nationalisation of trade in that country some years back; and

(b) if so, the present position in the matter.

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI): (a) and (b). The matter was further discussed with the Burmese authorities when the Secretary in the Ministry of External Affairs visited Rangoon in January 1968. The question is being pursued in the light of these discussions by our Ambassador in Rangoon.

INDIA-BURMA BOUNDARY COMMISSION

2136. SHRI R. BARUA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Commission constituted recently consisting of representatives of India and Burma to demarcate the Indo-Burmese Boundary has since started its work; and